पाक्षिक ई-न्यूजलेटर, अंक - 14

# संभव

16 अगस्त से 31 अगस्त 2026

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड | उपक्रम - नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश शासन

## तकनीक के साथ

# हरित विकास की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

*मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में विकास को नई दिशा और गति मिल रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि शहरों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के साथ-साथ उन्हें **स्वच्छ, सुंदर, हरित और पर्यावरण-अनुकूल** भी बनाया जाए। इसी सोच के अनुरूप नगरीय विकास में तकनीक, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी समन्वय देखने को मिल रहा है।*

### नागरिक सेवाओं को स्मार्ट बना रही डिजिटल तकनीक

डिजिटल तकनीक के माध्यम से नगरीय सेवाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है। **e-नगरपालिका 2.0**, ऑनलाइन भुगतान एवं कर संग्रहण तथा GIS-SCADA आधारित निगरानी जैसी पहलें नागरिक सेवाओं को स्मार्ट बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही 63 निकायों के WTP और 87 निकायों के STP की रियल टाइम निगरानी जैसी व्यवस्थाएं तकनीक के बेहतर उपयोग को दर्शाती हैं।

### 'नमो हरित-नगर योजना' एक महत्वपूर्ण पहल

वहीं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में **'नमो हरित-नगर योजना'** एक महत्वपूर्ण पहल है। ₹100 करोड़ की इस योजना के अंतर्गत शहरों में ग्रीन डेक एवं हरित क्षेत्रों का विकास, सेंट्रल पार्क और वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जा रहा है। **50:50 मॉडल** के माध्यम से जनभागीदारी और CSR को जोड़कर हरित विकास को व्यापक स्वरूप दिया जा रहा है।

इस प्रकार मध्यप्रदेश में विकास की अवधारणा केवल आधुनिक अधोसंरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि **तकनीकी क्षमता, नवाचार, जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण** को साथ लेकर भविष्य के ऐसे शहरों का निर्माण किया जा रहा है, जहां आधुनिक सुविधाओं के साथ हरियाली और बेहतर जीवन-पर्यावरण भी सुनिश्चित हो।

# आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बैतूल में किया पौधरोपण

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बैतूल नगर पालिका क्षेत्र में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने शहर में हरियाली बढ़ाने तथा पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल शहरों के निर्माण में जनभागीदारी महत्वपूर्ण है।

पौधरोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य संबंधितजन उपस्थित रहे।

# अतिरिक्त प्रबंध संचालक सुश्री मिशा सिंह ने की MPUDC कार्यों की समीक्षा

**भोपाल।** अतिरिक्त प्रबंध संचालक सुश्री मिशा सिंह की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कंपनी द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, कार्यों की गति तथा गुणवत्ता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।सुश्री सिंह ने अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

# नगरीय परियोजनाओं की मैदानी समीक्षा, गुणवत्ता और समयबद्धता पर जोर

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम **मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी** द्वारा नगरीय विकास कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मैदानी स्तर पर निरंतर निरीक्षण एवं समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में कंपनी के प्रमुख अभियंता **श्री आनंद सिंह** ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत **सतना, कोठी एवं नागौद** में नगरीय निकायों द्वारा कराए जा रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सतना नगर निगम क्षेत्र में प्रस्तावित बस डिपो के लिए चयनित स्थल का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कोठी एवं नागौद में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

इसी क्रम में कंपनी के मुख्य अभियंता **श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने नर्मदापुरम सीवरेज परियोजना** के विभिन्न निर्माणाधीन स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की समीक्षा की। भूमिगत सीवरेज पाइपलाइन एवं मलजल शोधन संयंत्र के कार्यों की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संविदाकार को पर्याप्त श्रमिक, मशीनरी एवं उपकरण उपलब्ध कराकर

कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने तथा निर्धारित समय-सीमा में सिविल कार्य पूर्ण करने के लिए कार्य सुधार योजना प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही मीनाक्षी चौक पर क्षतिग्रस्त अमृत योजना की पाइपलाइन का सुधार कार्य तत्काल पूर्ण कर जलापूर्ति बहाल करने के निर्देश दिए।

दोनों निरीक्षणों में **गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं प्रभावी नगरीय विकास** के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।

श्योपुर में रोड रेस्टोरेशन साइट पर कार्यरत श्रमिकों को कार्य के दौरान हाथों से होने वाले जोखिम, शोर तथा शोर से उत्पन्न संभावित खतरों के प्रति जागरूक किया गया. साथ ही सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने और आवश्यक सुरक्षा सावधानियों के पालन की जानकारी दी गई.

PIU जबलपुर के तहत कैमोर एवम विजयराघोगढ़ में CMO के साथ बैठक की गई इसके उपरांत स्कूली छात्रों को जलप्रदाय परियोजना के लाभों से अवगत कराया गया.

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर के विकास की दिशा में पीआईयू सागर के अंतर्गत बांदरी तथा पीआईयू ग्वालियर के अंतर्गत श्योपुर में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लेते हुए हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल नगरीय विकास का संदेश दिया।